# खाटू में इक घर दे देना श्याम भजन लिरिक्स

ना माँगू मैं हीरा मोती,
ना ही लाल फ़रारी,
खाटू में इक घर दे देना,
छोटा सा इक बारी,
तेरा हो जाऊँगा मैं,
यहीं बस जाऊँगा मैं।bd।

तर्ज – माई नि माई।

---

जब जी चाहे दर्शन करना,
नंगे पाँव मैं आऊँ,
घर से ताज़ा बना चूरमा,
तुझको भोग लगाउँ,
रह करके तेरे चरणों में,
चिंता मिट जाए सारी,
खाटू में इक घर दिलवा दे,
छोटा सा इक बारी,
तेरा हो जाऊँगा मैं,
यहीं बस जाऊँगा मैं।bd।

---

हर ग्यारस और फागुन महीना,
घर को खूब सज़ाऊ,
फूल माला और इत्र की खुशबू,
से घर को महकाऊँ,
खुद की नज़र ही लग जाए ना,
लुन राई वारी,
खाटू में इक घर दिलवा दे,
छोटा सा इक बारी,
तेरा हो जाऊँगा मैं,
यहीं बस जाऊँगा मैं।bd।

---

घर की बगीची के फूलों से,
सुंदर हार बनाऊँ,
कई भांत के फूलों से,
तेरा सिंगार बनाऊँ,
कलकत्ता और दिल्ली के,
सिंगार पे खर्चे जो भारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खाटू में इक घर दिलवा दे,
छोटा सा इक बारी,
तेरा हो जाऊँगा मैं,
यहीं बस जाऊँगा मैं।**lbd।**

---

ना माँगू मैं हीरा मोती,
ना ही लाल फ़रारी,
खाटू में इक घर दे देना,
छोटा सा इक बारी,
तेरा हो जाऊँगा मैं,
यहीं बस जाऊँगा मैं।**lbd।**

गायक – सतबीर धालीवाल।
**9356661004**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com